बी० ए० संस्कृत (गौण वैकल्पिक पाठ्यक्रम)

Minor (Elective) Course

प्रथम सत्र

प्रथम पत्र :– संस्कृत भाषा नैपुण्य–1

(BA. SKT. 0101)

प्रथम सत्र

प्रथम पत्रः– हितोपदेश एवं व्याकरण बोध **पूर्णांकः 50**

खण्ड–1 हितोपदेश प्रस्तावना सहित (मित्रलाभ) (25)

हितोपदेश का सामान्य परिचय एंव मित्रलाभ की विस्तृत व्याख्या।

(दो अश्लील कथाओं को छोड़कर)

खण्ड–2 व्याकरण बोध (25)

क) शब्दरूप (5)

राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, फल, मधु, आत्मन्, वाक्, अस्मद्, युस्मद्, तद् (तीनों लिंगों में)। (5)

ख) धातुरूप

पठ्, भू, अस, हन्, दृश्, दिव्, प्रच्छ्, चुर् सेव, पा धातुएं (लट्, लङ्, लट्, लोट् तथा विधिलिङ् लकारों में)।

ग) प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान (5)

घ) स्वर–सन्धि (5)

दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि, अयादि (सूत्र सहित आवश्यक है।)

ड) अनुवाद – पाँच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुवाद में पाठ्यपुस्तक से दो सूक्तियों का प्रयोग अनिवार्य होगा।

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. संस्कृत व्याकरण –श्रीधर वासिष्ठ
2. लघु सिद्धान्तकौमुदी– शारदारंजन रे, 1954
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–1 महादेव दामोदर साठे, प्रकाशन सखाराम आप्टे, संस्कृत पाठशाला पुणे।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)– नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, दिल्ली अथवा डॉ० भूषण लाल शर्मा नीलम पब्लिशर्ज

द्वितीय पत्र :– धर्मशास्त्र तथा भारतीय संस्कृति। पूर्णांकः 50

(BA. SKT. 0102)

1. याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय) (25)

   (इसमें हिन्दी व्याख्या एवं विषयपरक प्रश्न पूछे जाएंगे)

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति (25)

   क) पुरूषार्थ– चतुष्ट्य

   ख) ईश्वर जीव प्रकति

   ग) शिक्षा प्रणाली

   घ) वर्णाश्रम व्यवस्था

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व –डॉ० इन्दुमती मिश्रा, भारतीय प्रकाशन चौक कानपुर।
2. एलिमैन्ट्स ऑफ हिन्दू कल्चर एंड संस्कृत सिविलाइजेशन– पी० के० आचार्य
3. भारतीय संस्कृति –डॉ० शिवदत्त ज्ञानी
4. आर्य संस्कृति के मूलाधार– डॉ० बलदेव उपाध्याय
5. याज्ञवल्क्यस्मृति, याज्ञवल्क्य प्रणीत, मिताक्षर एवं हिन्दी व्याख्या, उमेश चन्द्र पाण्डेय

द्वितीय सत्र

तृतीय पत्रः– स्वप्नवासवदत्तम् एंव व्याकरण बोध **पूर्णांकः50**

(BA. SKT. 0203)

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) सम्पूर्ण (25)

2. व्याकरण बोध (25)

क) शब्दरूप (5)

पति, मातृ, मति, धेनु, वारि, महत्, दण्डिन्, सरित्, जगत्, राजन् एवं सर्व, एतत्, यत्, (सर्व नाम शब्द तीनों लिङ्गों में)।

ख) धातुरूप (5)

पच्, कृ, अद्, तन्, हु, क्री, गम्, धाव्, लिख्, क्रीड्, पत्।

(लट्, लड्, लृट्, लोट् तथा विधिलिंङ् लकारों में)

ग) संज्ञा–प्रकरण (5)

(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा)

सूत्र स्मरण आवश्यक है।

घ) कारक प्रकरण (सम्पूर्ण) (5)

(लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

ङ) अनुवाद (5)

पांच सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद पूछा जाएगा।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. बृहद्रचनानुवादकौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी
2. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

3. स्वप्नवासवदत्तम् भास, डॉ० डी० के० गुप्त, मेहरचन्द लच्छमणदास, प्रकाशन दिल्ली अथवा एम० आर० काले, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

चतुर्थ पत्रः– संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य : सामान्य परिचय पूर्णांकः50

(BA. SKT. 0204)

(क) गणित –ज्योतिष (10)

(ख) आयुर्वेद (15)

(ग) वास्तुकला (15)

(घ) संस्कृत में पर्यावरण (10)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृत में विज्ञान, डॉ० विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत भारती देहली, 2000.
2- Science in Sanskrit, Sanskrit Bharti, Delhi

तृतीय सत्र

पंचम पत्रः– रघुवंश तथा वाच्य परिवर्तन एवं छन्द–प्रकरण पूर्णांकः 50

(BA. SKT. 0305)

क) रघुवंश (प्रथम सर्ग) (25)

कालिदास एवं रघुवंश का सामान्य परिचय

ख) वाच्य परिवर्तन (10)

(कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य)

ग) छन्द–प्रकरण (वृत्तरत्नाकर) (10)

अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

नोटः– छन्दों के लक्षण, उदाहरण एवं संगति अपेक्षित है।

घ) अनुवाद– सरल अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुंशसित ग्रन्थ

1. रघुवंशम्, कालिदास, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी, दिल्ली।
2. अनुवाद–चन्द्रिका, चक्रधर हंस, मोतीलाल बनारसीदास, जवाहर नगर दिल्ली।
3. वृत्तरत्नाकर

षष्ठ पत्रः– पौराणिक साहित्य

(BA. SKT. 0306) **पूर्णांकः 50**

1. ब्रह्मपुराण 2. श्रीमद्भागवत पुराण 3. विष्णुपुराण 4. अग्निपुराण 5. गरुड़पुराण का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पुराणविमर्शः आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

चतुर्थ सत्र

सप्तम पत्र :– गीता, शुकनासोपदेश तथा समास। **पूर्णांकः 50**

(BA. SKT. 0407)

क) श्रीमद्भगवद्गीता (17वां अध्याय) (10)

गीता के 17वें अध्याय से संबधित व्याख्यात्मक प्रश्न भी पूछे जाएंगे।

ख) शुकनासोपदेश– (20)

(शुकनासोपदेश से सरलार्थ एवं प्रश्न)

ग) समास प्रकरण (10)

अव्ययीभाव, द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार। सूत्र सहित आवश्यक है।

घ) लिंगानुशासनम् (मध्यसिद्धान्तकौमुदी स्त्री प्रत्ययों सहित) (5)

ड) अनुवादः सरल हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद (5)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. श्रीमद्भगवद् गीता, गीता प्रैस गोरखपुर।
2. शुकनासोपदेश, बाणभट्ट, चौखम्बा सस्कृत सीरीज, वाराणसी, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी– वरदराज
4. मध्यसिद्धान्त कौमुदी– वरदराज
5. शुकनासोपदेश (आलोचनात्मक संस्करण) डॉ० राजेश्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।

(BA. SKT. 0408) अष्टम पत्र :– उपनिषद् बोध पूर्णांकः–50

क) ईशावास्योपनिषद् (25)

ख) केनोपनिषद् (25)

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. ईशावास्योपनिषद्, शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।
2. केनोपनिषद्, शांकरभाष्योपेता, गीता प्रैस गोरखपुर।

पंचम सत्र

(BA. SKT. 0509) नवम पत्रः– अभिज्ञानशाकुन्तलम् तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास पूर्णांकः50

क) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) (30)

समस्त नाटक का सरलार्थ तथा वर्ण्य विषय से सम्बन्धित प्रश्न

ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास (10)

1. वैदिक संहिताओं एंव रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय (10)
2. भास, कालिदास , बाणभटट्, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एंव जयदेव।

(उक्त कवियों की रचनाओं का समान्य परिचय)

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– कालिदास, बाबूराम पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय।

(BA. SKT. 0510) दशम पत्र :– व्याकरण बोध पूर्णांकः–50

क) त्रिमुनि (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि) वैय्याकरणों का परिचय– (10)

ख) सुबन्त (अजन्त) प्रकरण (20)

ग) तिड्न्त प्रकरण (20)

भू, अद्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रूध्, क्री, चुर् (प्रत्येक गण की प्रथम धातु की रूप–सिद्धि।

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी–वरदराज – शारदारंजन रे, 1950
2. संस्कृत व्याकरण–श्रीधर वासिष्ठ।

षष्ठ सत्र

एकादश पत्रः– काव्यदीपिका, निबन्ध एवं प्रत्यय बोध

(BA. SKT.0 511) **पूर्णांकः 50**

(क) काव्यदीपिका

1. प्रथम शिखा, द्वितीया शिखा (काव्यप्रयोजन, लक्षण एवं शब्दशक्तियाँ) (15)
2. अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति। (10)

(ख) निबन्ध (संस्कृत में) (10)

एक लघु निबन्ध पूछा जाएगा।

(ग) प्रत्यय (कृत्, तद्धित, स्त्री)

1. कृत् प्रत्यय – क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तव्यत्, अनीयर। (5)
2. तद्धित प्रत्यय – मतुप्, इनि, ठक्, त्व, तल। (5)
3. स्त्री प्रत्यय – टाप्, डाप्, चाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्। (5)
   लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. काव्यदीपिका – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
2. काव्यदीपिका – डॉ० ओम प्रकाश शर्मा, किरण बुक डिपो बिलासपुर, हि० प्र०
3. संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वासिष्ठ।
4. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर – डॉ० शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1977।